

मिशनरी प्रकाशन
कोलकाता-दिल्ली-बंगलूर

२६३

आज यह पत्रावली हमारे समक्ष वाहिए
आदेश हेतु पेश की गयी वरुदाय उपाय
उसमें पत्रावली का अद्यतन किया गया।
करीब प्राचीनी की वहाँ पर मन्त किया गय
अन्य प्राचीनी का प्रा. पर स्वार्थि किया जाय
है। अन्तर्गत निर्णय अलग से लिया जाय
आ. नि. किया गया। पत्रावली के अन्तर्गत
उत्तर से मन्त है। यदि प्रार्थना रख्य
है।

उपखण्ड अधिकारी
बहरोड़ (कोटपूतली-बहरोड़)



मिशनरी प्रकाशन
कोलकाता-दिल्ली-बंगलूर

१९६६